लखनऊ से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

website: www.pawanprawah.com

पवन प्रवाह

सत्यं वद प्रवाह ऋतम् प्रवाह

डाक पंजीयन संख्या GPO LW/NP-106/2015-17

10 लखनऊ। सा. सोमवार 19 से 25 दिसम्बर-2016

सृजन प्रवाह

www.pawanprawah.com
e-mail-pawanprawah@gmail.com

पवन प्रवाह

ऊर्जा संरक्षण की अवश्यकता क्यों !

॥ डॉ. भरत राज सिंह ॥

स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट साइंसेज लखनऊ के तत्वाधान में दिसम्बर 14, 2016 को ऊर्जा बचत दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों एवं छात्रों में ऊर्जा एवं पर्यावरण के संरक्षण को बढ़ावा देना था। इस दिवस के अवसर पर प्रोफ.(डॉ.) भरत राज सिंह, महानिदेशक एवं वरिष्ठ पर्यावरणविद ने ऊर्जा के संरक्षण एवं इसके हमारे दैनिक जीवन में उपयोग के विषय में अवगत कराया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार, हमारी दिन प्रति दिन की आवश्यकताओं के कारण हम ऊर्जा का दोहन कर रहे हैं एवं इसका असर हमारे पर्यावण पर बहुत अधिक पढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सही मायने में ऊर्जा की बचत तभी है जब हम कम से कम ऊर्जा का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि हमें अपने भविष्य के लिए भी ऊर्जा संरक्षित कर रखनी चाहिये नहीं तो हमारी पीढ़ी का जीवन दुष्कर हो सकता है। उन्होंने ये भी कहा कि ऊर्जा संरक्षण की भावना हम सभी के व्यव्हार में होनी चाहिए ताकि ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा मिल सके और ऊर्जा संरक्षण ही ऊर्जा उतपादन को चरितार्थ करेगा ।

इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. सिंह ने बताया कि अनावश्यक रूप से चल रहे पंखे, हीटर, सब्मर्सिबल, बल्ब्स, ट्यूबलाइटस आदि को बंद कर के, कार पूलिंग एवं अन्य तरीकों से हम ऊर्जा संरक्षण कर सकते हैं। इस प्रकार हम ऊर्जा संरक्षण को अधिक बल दे सकते एवं इसके हमारे दैनिक जीवन में उपयोग के विषय में अवगत कराया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार, हमारी दिन प्रतिदिन की आवश्यकताओं के कारण हम ऊर्जा का दोहन कर रहें हैं एवं इसका असर हमारे पर्यावण पर बहुत अधिक पढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सही मायने में ऊर्जा की बचत तभी है जब हम कम से कम ऊर्जा का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि हमें अपने भविष्य के लिए भी ऊर्जा संरक्षित कर रखनी चाहिये नहीं तो हमारी पीढ़ी का जीवन दुष्कर हो सकता है। उन्होंने ये भी कहा कि ऊर्जा संरक्षण की भावना हम सभी के व्यव्हार में होनी चाहिए ताकि ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा मिल सके।

इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. सिंह ने बताया कि प्राकृतिक रौशनी, कोम्पक्ट फ्लूरेसेंट लैंप, सोलर पैनल, एलइडी लाइट इत्यादि के उपयोग से हम बहुत अधिक ऊर्जा की बचत कर सकते हैं। फॉसिल फ्यूल, क्रूड ऑयल, कोल, नेचुरल गैस इत्यादि से हमें जो ऊर्जा मिलती है इनके एक तरफ अत्यधिक दोहन से इनके समाप्त होने का खतरा बन रहा है।

एक तरफ पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है एवं दूसरी तरफ इस प्रकार ऊर्जा संरक्षण ही इसका एकमात्र उपाय है। डॉ. सिंह ने यह भी बताया कि हम सबको मिलकर ऊर्जा संरक्षण पर पुनः विचार कर इसके दुरूपयोग को रोकने पर कार्य करना चाहिए।